INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हज़ार रुपये FIVE THOUSAND RUPEES

१	लेख्यकारी का नाम वो पुरा पत्ता	श्री नन्दलाल विश्वकर्मा उर्फ चिनगी विश्वकर्मा पिता स्व० शिव विश्वकर्मा जाति-बढ़ई सा०-नगवां पो०-गढ़वा थाना+जिला-गढ़वा पेशा-खेती राष्ट्रीयता-भारतीय-विक्रेता शपथपत्र संख्या ६२१ दिनांक-4.6.2002
२	लेख्यधारी का नाम वो पुरा पत्ता	श्रीमति विमला देवी पति श्री रामाधार महता कायम जाति-कोईरी सा०-खजुरी नवाडीह पो० अटौला थाना-मझिआँव जिला-गढ़वा पेशा-खेती राष्ट्रीयता-

सही नन्दलाल विश्वकर्मा उर्फ चिनगी विश्वकर्मा मो० 36000) रुपया नगद वसूल पाकर रकबा 0.08 जमीन मौजा नगवां का बिक्री किया सो सही पढ़ कर समझ लिया बा० अवधेश कुमार ना० सही अवधेश कुमार मेरे सामने विक्रेता ने अपना बाएं अंगूठे का निशान बनाया ता० 8/6/2002

(109) 1000Rs

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

३	लेख्यप्रकार	विक्रय पत्र (केवाला व्य-ला कलामी) — Saledeed: —
४	लेख्यमूल्य	मो० 36000=00 (छत्तीस हजार रुपये मात्र) बा०मू०- 60000=00 (साठ हजार रुपये मात्र)
५	लेख्यसम्पत्ति	पार्ट रकबा 0.04 डी० चार डीसमील भूमि दर्जा-टाड़ III तीन अवासीय है जो वाके मौजा-नगवां थाना-गढ़वा जिला-गढ़वा जिला-निबंधन कार्यालय गढ़वा अन्दर नगर-पालिका गढ़वा का भूमि एक फसला वो असिंचित है जो गैरमजरुआ आम वो खास का नहीं है भूमि भूदान वो बन्दोबस्ती पर्चा की नहीं है भूमि-हकियत रैयति मौरुसी है जिसमें अपने खास हिस्से कि भूमि बिक्री करता हूँ। यह भूमि उप मुख्य सड़क से 400 फीट के बाद अवस्थित है। —

सही नन्दलाल विश्वकर्मा उर्फ चिरंजी विश्वकर्मा
द्वा० अवधेश कुमार ता० 8/6/2002

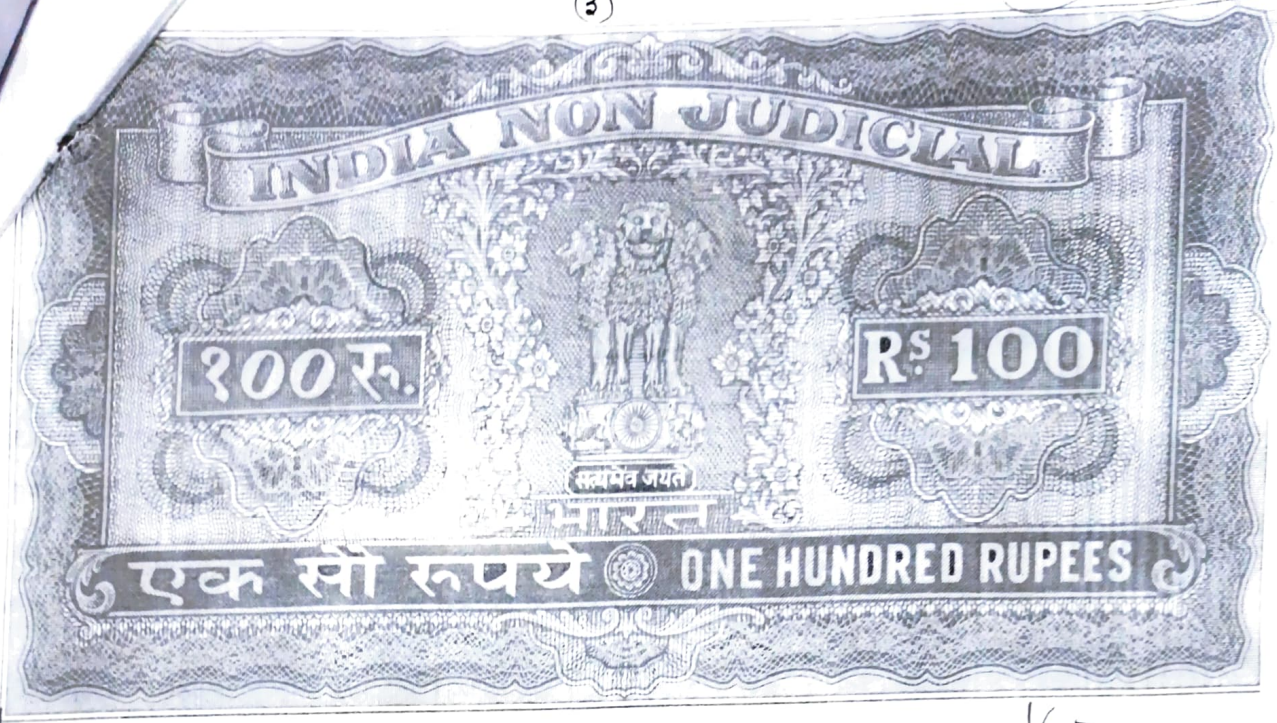

100Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु.　Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये　ONE HUNDRED RUPEES

खाता न०	प्लौट न०	रकबा	चौहद्दी
33	46	0.04 डी०	उ० अर्जुन विश्वकर्मा वगै०-
तेतीस	छियालीस	चार डी०	द० रास्ता
—	—	—	पु० निज विक्रेता
—	—	—	प० सुगन्धी देवी
1 एक	1 एक	0.04 डी० चार डीसमील।	

सालाना मालगुजारी 0.10 दस पैसा मात्र अलावे सेस नाम मालिक झारखण्ड सरकार द्वारा अंचल कार्यालय गढ़वा जिला गढ़वा।

विदित हो कि ऊपर खाता संख्या पाँच के वर्णित भूमि मेरा लेख्यकारी का हकियत रैयती मौरूसी है जिस पर शांति पूर्ण ढंग से दखल वो कब्जा में चला आ रहा हूँ। इस पर किसी प्रकार का ऋण भार वो वाद-विवाद नहीं है बिलकुल पाक वो साफ है इस समय लेख्यकारी को रुपये

सही नन्दलाल विश्वकर्मा उर्फ चितरी विश्वकर्मा
ग. आनन्द कुमार ता: 6/7/2002

100Rs

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

कि अति आवश्यका आ पड़ी जो बिना भूमि
बिक्री किये रुपयों का इन्तजाम होना कठीन
जान कर मैं लेख्यकारी उपरोक्त भूमि
को बिक्री करने के लिए अपने गाँव इलाके
में सलाह किया तो सलाह को पा कर
उपर खाता संख्या को के लेख्यधारनी भूमि
को खरीदना चाहे और वाजीब व सही
मुल्य मो० 36000/- रुपया देने को स्वीकार
कि इससे ज्यादा मुल्य और कोई दुसरा
अन्य दिगर व्यक्ति देने को तैयार नहीं हुये
इस लिए मैं अपना स्वास्थ्य शरीर वो
शुद्ध मन की हालत में रह कर अपना
जरेसमन की कुल राशी मो० 36000/- रुपया
नगद एक मुश्त से वसुल पा कर मौजा
नगवाँ का रकबा 0.04 डी० चार डीसमील भूमि
लेख्यधारनी को हस्तांतरीत कर दिया अब
आज दिन से इस बेची गई संपत्ति पर

सही नन्दलाल विक्रेता उर्फ चमनी विक्रेता
हा० अवधेश कुमार ता: 8/01/2002

(5) 112 20 RS.

बीस रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

TWENTY RUPEES

२०रू. 20RS.

धिकारीयों का कोई हक वो सम्बन्ध
नही रहा और न भविष्य मे रहेगा।
क्रेयधारनी को अधिकार रहा कि भूमि को
अपने दखल कब्जा के अन्दर ला कर
मकान बनावे चाहे जो इच्छा हो किया
करें तथा अपनी नाम अंचल कार्यालय
गढ़वा मे दर्ज करा कर लगान माल-
गुजारी दिया करें तथा बदले मे
सरकारी रसीद प्राप्त किया करें। इन्ही
सारी बातो को अच्छी तरह से सोच
समझ कर यह विक्रय पत्र केवाला स्व-
ला कलामी लिख दिया कि समय परकर
पर काम आवे वो प्रमाण रहे। मैं
क्रेयकारी घोषणा करता हूँ कि मेरा नाम
सिलिंग सूची तथा भूमि हिनो किलिस्ट
मे दर्ज नहीं है।

सही नन्दलाल विश्वकर्मा उर्फ चिनटा विश्वकर्मा
का: अवधेश कुमार ता: 8/6/2002

20 RS.

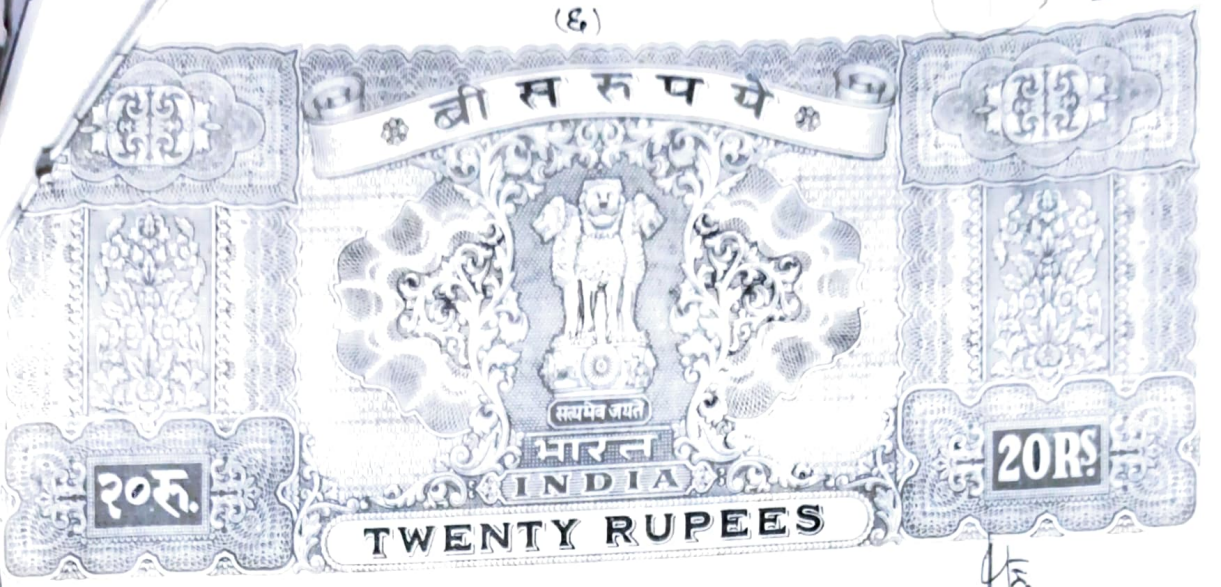

बीस रुपये

सत्यमेव जयते

भारत

INDIA

२०रु. 20RS.

TWENTY RUPEES

कातिब:- दिलीपकुमार नाईब गढ़वा
के वासी लिखा को पढ़ कर
उभय पक्षों को सुना व
समझा दिया।
ता० 4- 6- 2002 ई०

सही नन्दलाल विश्वकर्मा उर्फ चिन्तामणि विश्वकर्मा
ह० अवधेश कुमार ता० 4/6/2002

मूल दस्तावेज एवं द्वितीय प्रति एक दूसरे
कि हु बहु और सच्चि प्रतिलिपि है।